Paper - V

MT

2017 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - V

Time : 2 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 40**

विभाग 1 - गद्य

उ.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **उत्तर लिखिए ।** **1**

(1) मैदानों को।

(2) नदियों को

ii) **उचित पर्याय चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए।** **1**

(1) देश-देश के निवासी व देश की संस्कृति मिलकर **राष्ट्र का निर्माण करते हैं।**

(2) लोग मानसिक रूप से टूटने लगे व धीरे-धीरे एकता के प्रति जनता की **संवेदनशीलता समाप्त हो गई।**

2) i) **सही शब्द तैयार कीजिए ।** **1**

(1) | टी | हा | गु | वा | = | गुवाहाटी |

(2) | न | क | सि | मा | = | मानसिक |

ii) **पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** **1**

(1) दुनिया → विश्व

(2) आजादी → स्वतंत्रता

3) स्वतंत्रता मिलने के पश्चात भारत ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। देश-विभाजन, विदेशी आक्रमण, प्राकृतिक आपदाएँ एवं विभिन्न प्रकार की मुसीबतें झेलकर भी हमारे कदम आगे ही आगे बढ़ते गए। आज भारत अनेक क्षेत्रों में आत्मनिर्भर एवं शक्तिशाली बन गया है। हमारी भावनात्मक एकता एवं महान विरासत के कारण हमारे देश पर कभी आँच नहीं आई। यह महान देश अपनी अखंडता की रक्षा के लिए पूर्ण रूप में समर्थ है। हम भारत के भावी नागरिक हैं। भविष्य में हमें ही भारत का कर्णधार बनना है तथा अपनी राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बनाकर रखना है। **2**

उ.1.	**(ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	
1)	i) **परिच्छेद पढ़कर उत्तर लिखिए ।**	1
	(1) कठोर के साथ कठोर और कोमल के साथ कोमल व्यवहार करता है।	
	(2) भले को भलाई से जीतता है और बुरे को बुराई से।	
	ii) हमें दया, क्षमा, प्रेम, सहानुभूति आदि गुणों को अपनाना चाहिए।	1
2)	i) **निम्नलिखित शब्दों के लिए विलोम शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए ।**	1
	(1) अवगुण → गुण	
	(2) बुराई → भलाई	
	ii) **निम्नलिखित शब्दों के लिए समानार्थी शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए ।**	1
	(1) रास्ता → मार्ग	
	(2) माफी → क्षमा	
3)	फल से लदे वृक्ष पर हम ईंट और पत्थर बरसाते हैं फिर भी वह हमें रसीले फल देते हैं। वैसे ही हमें भी सहनशील होना चाहिए। धरती गर्मी, सर्दी, बरसात तीनों ऋतुओं को सहन करती है फिर भी अपना धैर्य नहीं खोती है उन सभी को सहती रहती है, वैसे ही हमें भी अपना धैर्य बनाए रखना चाहिए। हमें छोटी-छोटी बातों पर कभी भी क्रोध नहीं करना चाहिए। हम में लोगों की बातें सहन करने की शक्ति होनी चाहिए। महात्मा गांधी के बताए सिद्धांत पर चलते हुए हमें सहनशीलता और धैर्य का पालन करना चाहिए।	2
	विभाग 2 - पद्य	
उ.2.	**(च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	
1)	i) **उचित पर्याय चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए ।**	1
	(1) नदी लहरें उछालती है **चाँद तक**।	
	(2) नदी घात सहती है **सूर्य के**।	
	ii) **समझकर लिखिए ।**	1
	(1) नदी खिलखिलाती है।	
	(2) नदी इठलाती - इतराती है।	

2) **निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

i) वीहड़ → उबड़-खाबड़

ii) क्षीण → पतली

3) 'गर्मी के मौसम में नदियों का जल बहुत कम हो जाता है। सूर्य की कड़ी धूप जल का वाष्पीकरण करती रहती है। साथ ही मनुष्य द्‌वारा फसलों की सिचाई और पीने के पानी के रूप में उपयोग किए जाने के कारण नदियों का जल सीमित हो जाता है। इसी लिए ग्रीष्मकाल में नदी की धारा पतली हो जाती है। परंतु नदियाँ अपने परोपकार की भावना को तब भी नहीं, त्यागती वह अपने निर्मल जल से धरती के प्राणियों की प्यास बुझाकर उन्हें तृप्त करती रहती हैं। **2**

उ.3. **(छ) पद्‌यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**

1) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) देशप्रेम की भावना को बढ़ाना ।

(2) देश के झंडे के प्रति गौरव की भावना ।

ii) **उचित पर्याय लिखिए।** **1**

(1) भारत माँ की जय - जयकार

(2) स्वतंत्रता का दिन

2) **शब्द के अर्थ लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

i) पर्व → त्योहार

ii) डग → कदम

3) भारत हमारी मातृभूमि है। हमारा देश हमें प्राणों से भी प्यारा है। भारत संसार का सबसे प्यारा देश है। हिमालय पर्वत हमारे देश का सिर मौर है। गंगा, यमुना आदि नदियाँ इसके हृदय पर हार की तरह शोभा देती हैं। सुंदर कश्मीर हमारे देश का स्वर्ग है। दुनियाभर के हजारों पर्यटक इसे देखने के लिए हर साल भारत आते हैं। यह वो धरती है जहाँ राम, कृष्ण और बुद्‌ध का जन्म हुआ है। यह देश हमें 'बसुधैव कुटुंबकम' का भाव सिखाता है। **2**

विभाग 3 - व्याकरण

उ.3. **पद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**

1) **मानकवर्तनी के अनुसार शब्द चुनिए ।** **1**

i) खिड़की ii) आशीर्वाद

2)	**निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** शेर जंगल की **ओर** गया ।	**1**
3)	i) **काल पहचानिए ।** सामान्य भविष्यकाल	**1**
	ii) **काल परिवर्तन कीजिए ।** राजनीतिक दल मैदानों व नदियों को कठघरों में खड़े कर रहे हैं ।	**1**
4)	i) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।** अचानक आए हुए मेहमानों ने महाबलेश्वर जाने का **मजा किरकिरा कर दिया** ।	**1**
	ii) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **चिराग गुल होना -** घर के इकलौते बेटे की मृत्यु होना । **वाक्य -** तालाब में डूबने से केशव के घर का **चिराग ही गुल हो गया** ।	**1**
	विभाग 4 - रचना	
उ.4.	**1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।** संजय काले, 3/205,रविनगर, अचलपुर । दि.5 अक्टूबर, 2017 सेवा में, श्रीमान व्यवस्थापक जी, साहित्यसदन, अमरावती । **विषय :- पुस्तकों की कम प्रतियों की प्राप्ति के लिए शिकायत पत्र ।** माननीय महाशय, मैं आपका नियमित ग्राहक हूँ । इस पत्र के द्वारा मैं आपका ध्यान मँगाई गई पुस्तकों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ । मैने दस दिन पहले ही आपके यहाँ से पुस्तकें मँगवाई थीं । आपके द्वारा भेजा गया पुस्तकों का पार्सल मिला भी लेकिन बड़े दुख के साथ लिखना पड़ रहा है कि पुस्तकें कम हैं । हिंदी व्याकरण और अंग्रेजी की दस - दस प्रतियाँ मँगवाई थीं लेकिन आठ - आठ ही प्राप्त हुई हैं ।	**4**

किताबों का केशमेमों क्रमांक. 15 बी. दिनांक 20 सितंबर, 2017 है । बिल की झेरॉक्स कापी पत्र के साथ भेज रहा हूँ ।

आशा करता हूँ कि पत्र मिलते ही आप शेष पुस्तकें भिजवाने की व्यवस्था करेंगे ।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी ।

धन्यवाद !

भवदीय

संजय काले ।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी,
साहित्यसदन,
अमरावती ।

प्रेषक
संजय काले,
3/205,रविनगर,
अचलपुर ।

2) सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए । 4

i) दूसरों से कुछ सबक सीखो ।
ii) अपना साहस मत खोओ ।
iii) स्वयं पर विश्वास करो ।
iv) प्रयास पर प्रयास करते रहो ।

3) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 60 से 80 शब्दों में रोचक कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए । 4

सच्चा सहयोग

एक समय की बात है । रामू नाम का एक भिखारी था । वह गाँव - गाँव घूमकर भीख माँगता था । एक दिन वह भीख माँगते - माँगते नरायनपुर गाँव में जा पहुँचा । वहाँ मोहन नाम के बच्चे ने जब उस भिखारी को देखा तो उसे बड़ी दया आई वह अपनी माँ के पास गया, अपने पिता जी से छिपाकर कुछ रोटी और साग माँग कर लाया और उस भिखारी को दिया । जिसे खाकर उसे अपार तृप्ति हुई ।

अब वह भिखारी आए दिन मोहन के घर आता । मोहन अपनी माँ से साग - रोटी माँग कर लाता और उसे देता । भिखारी रोटी - साग खाकर बहुत प्रसन्न होता तथा लाख दुवाएँ देता ।

एक दिन मोहन के पिता जी ने मोहन को रोटी - साग देते हुए देख लिया और उसे बहुत डाँटा । उन्होंने भिखारी को पास बुलाया और समझाते हुए कहा, भीख माँग कर खाना अच्छी बात नहीं है । तुम कुछ काम करो

और मेहनत के पैसे से अपना जीवन यापन करो । वे उसे कुछ अच्छे कपड़े भी दिए, यही नहीं अपने तथा पड़ोस के बंगले में सफाई का काम भी दिलवाया । रामू मन लगाकर सफाई का काम करने लगा । मोहन के पिता जी ने रामू को काम दिला कर सच्ची सहायता की ।

सीख - इस कहानी से यह सीख मिलती है कि हमें किसी की मदत भिक्षा देकर नहीं बल्कि ऐसी सहायता देकर करनी चाहिए, जिससे वह मेहनत की रोटी खा सके और उसे किसी के सामने हाथ न फैलाना पड़े ।

❖❖❖❖